गोविंदाचार्य ने गूगल के सीईओ पर दागे तीखे सवाल

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भारत में अपने दो दिवसीय दौरे पर हैं। देश के रेल्वे स्टेशनों पर वाई फाई मुहैया करवाने और राजधानी के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में छात्रों से मुलाकात के बीच एक वक्त भाजपा के 'थिंक टैंक' कहे जाने वाले गोविंदाचार्य ने सुंदर से कुछ सवालों के जवाब मांगे हैं।

प्रिय श्री सुंदर पिचई जी,
सादर अभिनंदन,

भारत में आईआईटी खड़गपुर से शिक्षित होकर विश्व की सबसे बड़ी कंपनी गूगल इंक के सीईओ बनने पर हम सभी देशवासियों को बहुत फक्र है। आज के समाचार पत्रों में आपका वक्तव्य देखकर मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई, जहाँ आपने बोला है कि भारत ने गूगल और आप को बहुत कुछ दिया है और अब आपके वापस देने का समय आ गया है। उसी कड़ी में आपने भारत के युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विकास की कई योजनाओं की शुरूआत करने की घोषणा की है जिनसे भारत को बहुत लाभ होगा, ऐसा हम सभी को विश्वास है।

आज आप दिल्ली में युवा विद्यार्थियों से मिलकर उनके सवालों का जवाब दे रहे हैं। मैं ना तो युवा हूं और न ही विद्यार्थी पर एक आम भारतीय की तरह भारत के सपूत और गूगल इंक के सीईओ से कुछ सवालों के जवाब जरूर चाहता हूं, जिनसे हम सभी की शंकाएं दूर होंगी और भारत को आपका वापस देने का संकल्प बेहतर तरीके से पूरा हो सकेगा।

1- गूगल अर्थ मैपिंग प्रोजेक्ट के विरूद्ध दो वर्ष पूर्व सर्वेयर जनरल ऑफ इंडिया ने सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई थी जिसमे गूगल इंक के अधिकारियों द्वारा कोई सहयोग नहीं किया गया। बगैर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों की मंजूरी के इस प्रोजेक्ट को और आगे बढ़ाने से भारत के विरुद्ध आतंकवादियों को लाभ हो सकता है जिससे मुंबई जैसे हमलों को दुहराया भी जा सकता है। मैं आपसे जानना चाहूंगा कि आप इस प्रोजेक्ट को बगैर सुरक्षा एंजेसियों की मंजूरी के कैसे चला रहे हैं ?

2- आपकी कंपनी गूगल इंक द्वारा भारत के 500 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा और अन्य आर्थिक गतिविधियों की घोषणा की है। मैं आपसे जानना चाहूंगा कि आपकी कंपनी गूगल इंक के पास भारत में न ही पैन नंबर है और न ही सर्विस टैक्स का रजिस्ट्रेशन नंबर। भारत में आयकर कानून के अनुसार 2

लाख से अधिक ट्रांजेक्शन के लिए पैन नंबर आवश्यक है। गूगल 365 बिलियन डालर की कंपनी है और भारत उसके लिए विश्व में दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारत में गूगल इंक और गूगल आयरलैंड कंपनी के पास न तो पैन नंबर और न ही सर्विस टैक्स रजिस्ट्रेशन नंबर है। अगर आप अपनी कंपनी के अधिकारियों को यह हासिल करने के लिए निर्देश देंगे तो यह भारत के कानून और संविधान का सही पालन होगा।

3- भारत में गूगल वेबसाइट द्वारा दी गई सुविधाओं का स्वामित्व आपकी कंपनी गूगल इंक के पास है जिसकी शिकायत के लिए आईटी एक्ट के अनुसार आपने शिकायत अधिकारी की नियुक्ति भारत की बजाय अमेरिका में कर रखी है। इस कारण से आम भारतवासियों की शिकायतों का निराकरण नहीं हो पा रहा है। मैं आपसे अपेक्षा करता हूं कि शिकायत अधिकारी की आप भारत में नियुक्ति कर सकेंगे। इसके अलावा आप भारत में टोल-फ्री नंबर की सेवा भी दे सकेंगे जिससे भारत की इन्टरनेट से वंचित जनता भी लाभान्वित हो सकेगी।

4- आपके द्वारा भारत में युवाओं को रोजगार तथा स्टार्टअप्स को मदद का आश्वासन दिया गया है। जहाँ अमेरिका में गूगल द्वारा नेट-न्यूट्रलिटी के लिए अपनी वचन-बद्धता दोहराई गई है वहीँ भारत में गूगल और उसके अन्य प्रोडक्ट्स द्वारा नेट-न्यूट्रलिटी का उल्लंघन किया जा रहा है । एक जिम्मेदार कंपनी होने के नाते भारत में आप नेट-न्यूट्रलिटी के अनुरूप अपना व्यापारिक संचालन करेंगे, जिस बारे में भी हम आपसे आश्वासन चाहते हैं।

5- गूगल इंक द्वारा भारत में बैलून द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधाएं देने का प्रोजेक्ट प्रारंभ हो रहा है। दो दिन पूर्व केंद्रीय गृह सचिव द्वारा ड्रोन पर कानूनी नियमों की बात की गई थी। अमेरिका में ऐसी सुविधाओं का रजिस्ट्रेशन आवश्यक है। क्या आप बैलून प्रोजेक्ट के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय और सुरक्षा एजेंसियों की मंजूरी लेंगे जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

6- गूगल बच्चों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह कंपनी है भारत में यू-ट्यूब तथा अन्य साइट्स पर 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चे शामिल नहीं हो सकते, उसके बावजूद गूगल इंक द्वारा नियमों का सही पालन नहीं कराने से करोड़ों बच्चे इंटरनेट के माध्यम से सेक्स और नशें का शिकार होकर जुवेनाइल अपराधी बना रहे हैं। एक जिम्मेदार कंपनी होने के नाते, आप कैसे भारत के क़ानून और गूगल के नियमों का बेहतर तरीके से पालन करा पायेंगे, यह जानना हम सभी के लिए आवश्यक है।

7- आपके द्वारा हैदराबाद ऑफिस तथा अन्य गतिविधयों से भारत में रोजगार बढ़ाने की बात कही जा रही है। गूगल इंडिया द्वारा हमेशा यह कहा गया है कि वह गूगल इंक और गूगल आयरलैंड की प्रतिनिधि कंपनी नहीं है। यदि यह सच है तो आप गूगल इंक के माध्यम से इन योजनाओं की घोषणाएं कैसे कर रहे हैं ? यदि गूगल इंक इन योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा है तो आप भारत में व्यापार कर रहे हैं। यदि गूगल इंक भारत में प्रोजेक्ट का लाभ ले रही हैं तो उससे सम्बंधित कानून के पालन तथा टैक्सों के भुगतान की जवाबदेही भी गूगल इंक पर ही है।

आशा है गूगल इंक के सर्वोच्च पद पर होने के नाते गूगल द्वारा भारत में अपनी कानूनी जवाबदेही को पूरा करा करने का निर्देश देकर एक नई मिसाल पेश करेंगे, जिससे भारत को विदेशी कंपनियों के आगे

मदद के लिए हाथ न फैलाना पड़े। देश में उत्पन्न संसाधनों से भारत के युवा विकसित होकर रोजगार का सृजन करने की क्षमता रखते हैं जिसके लिए आप एक बड़े प्रेरणाश्रोत हैं। गूगल की वेबसाइट पर सारी सूचनाएं तथा सवालों के जवाब मिल जाते हैं, मैं आशा करता हूं कि मेरे सभी सवालों के समुचित जवाब आपके द्वारा अवश्य दिये जायेंगे।

सादर,
के. एन. गोविंदाचार्य
संरक्षक, राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन
नई दिल्ली